बन्धकीय लेखांकन

सिद्धान्त एवं व्यवहार

MANAGEMENT ACCOUNTING

Principles and Practice

डी॰ वर्मा आर॰ के॰ शर्मा शशि के॰ गुप्ता

Scanned by TapScanner

विषय-सूची
CONTENTS

अध्याय **पृष्ठ**

1. **प्रबन्धकीय लेखांकन की प्रकृति एवं क्षेत्र (Nature and Scope of Management Accounting)** 1.1 – 1.51

[परिचय—लेखांकन का विकास—लेखांकन का अर्थ—वित्तीय लेखांकन—वित्तीय लेखांकन का अर्थ—वित्तीय लेखांकन के कार्य—वित्तीय लेखांकन की सीमाएँ—वित्तीय लेखांकन को प्रबन्ध हेतु उपयोगी बनाना—सूचना प्रणाली के रूप में लेखांकन—लेखांकन सिद्धान्त—लेखांकन सिद्धान्तों के आवश्यक लक्षण—लेखांकन सिद्धान्तों का वर्गीकरण—लेखांकन अवधारणाएँ—लेखांकन परम्पराएँ—लेखांकन सिद्धान्तों की सीमाएँ—लागत लेखांकन—लागत, लागतांकन एवं लागत लेखांकन का अर्थ—लागत लेखांकन के उद्देश्य एवं कार्य—लागत लेखांकन का महत्त्व एवं लाभ—लागत लेखांकन की सीमाएँ—प्रबन्धकीय लेखांकन : अर्थ एवं उद्भव—प्रबन्धकीय लेखांकन की परिभाषाएँ—प्रबन्धकीय लेखांकन के लक्षण या प्रकृति—प्रबन्धकीय लेखांकन का क्षेत्र—प्रबन्धकीय लेखांकन के उद्देश्य अथवा प्रयोजन—प्रबन्धकीय लेखांकन के कार्य—प्रबन्धकीय लेखांकन प्रक्रिया— प्रबन्धकीय लेखांकन एवं वित्तीय लेखांकन का पारस्परिक सम्बन्ध—लागत लेखांकन एवं प्रबन्धकीय लेखांकन में सम्बन्ध—प्रबन्धकीय लेखांकन की परम्पराएँ—प्रबन्धकीय लेखांकन के उपकरण एवं तकनीक अथवा प्रणालियाँ— प्रबन्धकीय लेखांकन की आवश्यकता एवं महत्त्व—प्रबन्धकीय लेखांकन की सीमाएँ—प्रबन्धकीय लेखांकन प्रणाली की स्थापना—प्रबन्धकीय लेखापालक— प्रबन्धकीय लेखापालक के कार्य—प्रबन्धकीय लेखापालक के कर्त्तव्य—सहस्त्राब्दी के लिए प्रबन्धकीय लेखापालक—नियन्त्रक—नियन्त्रक के कार्य—नियन्त्रक के कर्त्तव्य—प्रबन्धकीय लेखांकन हेतु संगठन—प्रश्न]

2. **वित्तीय विवरण (Financial Statements)** 2.1 – 2.22

[परिचय—वित्तीय विवरण का अर्थ—परिभाषा—वित्तीय विवरण की प्रकृति— वित्तीय विवरण के उद्देश्य—वित्तीय विवरणों के प्रकार/ढाँचा—आर्थिक चिट्ठा— आय विवरण अथवा लाभ-हानि खाता—स्वामियों की समता में परिवर्तनों का विवरण अथवा प्रतिधारित आय विवरण—वित्तीय स्थिति में परिवर्तनों का विवरण—आर्थिक चिट्ठा का प्रारूप एवं उसकी विषय-सामग्री—अनुसूचियाँ—आर्थिक चिट्ठे के मदों का स्पष्टीकरण—दायित्व पक्ष—सम्पत्ति पक्ष—आय विवरण का प्रारूप एवं उसकी

Scanned by TapScanner

अध्याय

विषय-सामग्री—लाभ-हानि नियोजन खाता—आदर्श वित्तीय विवरण की विशेषताएँ— वित्तीय विवरणों का उपयोग एवं महत्त्व—वित्तीय विवरणों की सीमाएँ—प्रकाशित खाते—वार्षिक खाते एवं आर्थिक चिट्ठा—लाभ-हानि खाता—संचालक मण्डल का प्रतिवेदन—प्रश्न]

3. **वित्तीय विवरण विश्लेषण** **(Financial Statements Analysis)** 3.1 – 3

[परिचय—वित्तीय विश्लेषण का अर्थ एवं अवधारणा—वित्तीय विश्लेषण के प्रकार—बाह्य विश्लेषण—आन्तरिक विश्लेषण—क्षैतिज विश्लेषण—लम्बवत् विश्लेषण—वित्तीय विवरणों के विश्लेषण एवं निर्वचन की क्रिया-विधि—वित्तीय विश्लेषण एवं निर्वचन की विधियाँ अथवा युक्तियाँ—तुलनात्मक विवरण— तुलनात्मक आर्थिक चिट्ठा—तुलनात्मक आय विवरण—प्रवृत्ति विश्लेषण— सामान्य-आकार का विवरण—सामान्य-आकार का आर्थिक चिट्ठा—सामान्य- आकार का आय विवरण—वित्तीय विश्लेषण की सीमाएँ—प्रश्न—अभ्यासार्थ प्रश्न]

4. **अनुपात विश्लेषण** **(Ratio Analysis)** 4.1 – 4.1

[परिचय—अनुपात का अर्थ—अनुपात विश्लेषण की प्रकृति—अनुपातों का निर्वचन—अनुपातों के प्रयोग की सावधानियाँ अथवा दिशा-निर्देश—अनुपात विश्लेषण का उपयोग एवं महत्त्व—अनुपात विश्लेषण की सीमाएँ—अनुपातों का वर्गीकरण—*अल्पकालीन वित्तीय स्थिति का विश्लेषण अथवा तरलता का परीक्षण*—तरलता अनुपात—चालू अनुपात—भारांकित चालू अनुपात—समय समायोजित चालू अनुपात—त्वरित या अम्ल-परीक्षण अनुपात—पूर्ण तरल अनुपात—*अन्तराल माप अथवा प्रतिरक्षा-अन्तराल अनुपात*—*चालू सम्पत्तियों का संचरण अथवा कार्यक्षमता/क्रियाशीलता अनुपात*—स्कन्ध आवर्त अनुपात—देनदार या प्राप्य आवर्त अनुपात—औसत संग्रह अवधि अनुपात—लेनदार/देय आवर्त अनुपात—औसत भुगतान अवधि अनुपात—कार्यशील पूँजी आवर्त अनुपात—*दीर्घकालीन वित्तीय स्थिति का विश्लेषण अथवा शोधनक्षमता का परीक्षण*—ऋण-समता अनुपात—निधि ऋण का कुल पूँजीकरण से अनुपात—स्वामित्व अनुपात अथवा समता अनुपात—शोधनक्षमता अनुपात—स्थायी सम्पत्तियों का शुद्ध मूल्य से अनुपात—स्थायी सम्पत्तियों का कुल दीर्घकालीन कोष से अनुपात—चालू सम्पत्तियों का स्वामियों के कोष से अनुपात—ऋण सेवा अनुपात अथवा ब्याज आवरण अनुपात—रोकड़ का ऋण सेवा से अनुपात—*लाभदायकता का विश्लेषण अथवा लाभदायकता अनुपात*—सामान्य लाभदायकता अनुपात—समग्र लाभदायकता अथवा विनियोगों पर प्रत्याय—लाभदायकता अनुपातों का अन्तर-सम्बन्ध—पूँजी संरचना का विश्लेषण अथवा उत्तोलक अनुपात—पूँजी मिलान अनुपात—कुल विनियोग का दीर्घकालीन दायित्व पर अनुपात—स्थायी सम्पत्तियों का निधि ऋण पर अनुपात—चालू दायित्वों का स्वामित्व कोष पर अनुपात—संचयों का समता अंश पूँजी से अनुपात—ड्यू-पाण्ट नियन्त्रण चार्ट—अनुपातों का सारांश—प्रश्न—अभ्यासार्थ प्रश्न]

5. **वित्तीय स्थिति में परिवर्तन का विवरण–I : कोष प्रवाह विवरण** **(Statement of Changes in Financial Position – I : Funds Flow Statement)** 5.1 – 5.170

[परिचय—कोष का अर्थ एवं अवधारणा—कोष प्रवाह का अर्थ एवं अवधारणा—चालू एवं गैर-चालू खाते—कोष प्रवाह जानने की क्रियाविधि—कोष प्रवाह विवरण का अर्थ एवं उसकी परिभाषा—कोष प्रवाह विवरण, आय विवरण और आर्थिक चिट्ठा—कोष प्रवाह विवरण एवं आय विवरण में अन्तर—कोष प्रवाह विवरण एवं आर्थिक चिट्ठा में अन्तर—कोष प्रवाह विवरण का प्रयोग, सार्थकता एवं महत्त्व—कोष

Scanned by TapScanner

अध्याय	पृष्ठ

प्रवाह विवरण की सीमाएँ—कोष प्रवाह विवरण तैयार करने की क्रिया-विधि—कार्यशील पूँजी में परिवर्तनों की अनुसूची या विवरण—कोषों के स्रोत एवं उपयोग का विवरण—कोषों के स्रोत—कोषों का उपयोग अथवा प्रयोग—विशेष सावधानी वाली कुछ मदें—व्यापक उदाहरण—प्रश्न—अभ्यासार्थ प्रश्न]

6. रोकड़ प्रवाह विवरण (Cash Flow Statement) 6.1 – 6.68

[परिचय—अर्थ—रोकड़ प्रवाह का वर्गीकरण—परिचालन क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह—निवेशन क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह—वित्तयन क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह— कुछ कठिन मदों का व्यवहार— रोकड़ प्रवाह विवरण का प्रारूप—कोष प्रवाह विवरण एवं रोकड़ प्रवाह विवरण में तुलना—कोष प्रवाह विवरण एवं रोकड़ प्रवाह विवरण में अन्तर—रोकड़ प्रवाह विवरण का उपयोग एवं महत्त्व—रोकड़ प्रवाह विवरण की सीमाएँ—रोकड़ प्रवाह विवरण तैयार करने की क्रिया- विधि— परिचालन क्रियाओं (व्यवहृत) से रोकड़ प्रवाह की गणना करने की विधि— प्रत्यक्ष विधि—अप्रत्यक्ष विधि—उदाहरण—Appendix—प्रश्न—अभ्यासार्थ प्रश्न]

7. मूल्य स्तर परिवर्तन लेखांकन (Accounting for Price Level Changes) 7.1 – 7.50

[परिचय—वित्तीय विवरण एवं मूल्य स्तर परिवर्तन—मूल्य-स्तर लेखांकन/स्फीति लेखांकन की विधियाँ अथवा तकनीकियाँ—*चालू क्रय शक्ति तकनीक* : रूपान्तरण तकनीक; अर्द्ध-वार्षिक रूपान्तरण; मौद्रिक और गैर-मौद्रिक खाते ; बिक्री की लागत और स्कन्ध का समायोजन ; लाभ का निर्धारण ; विस्तृत उदाहरण—**पुनर्स्थापन लागत लेखांकन तकनीक—चालू मूल्य लेखांकन तकनीक —चालू लागत लेखांकन तकनीक** : बिक्री की चालू लागत समायोजन (कोसा); ह्रास समायोजन; ह्रास की पिछली कमी; मौद्रिक कार्यशील पूँजी समायोजन ; चालू लागत परिचालन लाभ ; मिलान समायोजन; विस्तृत उदाहरण—मूल्य स्तर लेखांकन के लाभ—मूल्य स्तर लेखांकन की हानियाँ—प्रश्न—अभ्यासार्थ प्रश्न]

8. सामाजिक लागत लाभ विश्लेषण (Social Cost Benefit Analysis) 8.1 – 8.12

[सामाजिक लागत लाभ विश्लेषण की अवधारणा—परियोजना की सामाजिक वांछनीयता के सूचक—सामाजिक लेखांकन : अर्थ एवं अवधारणा—सामाजिक लेखांकन के उद्देश्य—सामाजिक निष्पादन/लेखांकन के महत्वपूर्ण क्षेत्र अथवा सामाजिक अंकेक्षण का क्षेत्र—सामाजिक लेखांकन की आवश्यकता के लाभ—सामाजिक लेखांकन के दृष्टिकोण—भारत में सामाजिक लेखांकन—प्रश्न]

9. मानव संसाधन लेखांकन (Human Resource Accounting) 9.1 – 9.14

[परिचय—परिभाषा—मानव संसाधन लेखांकन के मूलभूत अवयव—मानव संसाधन की आवश्यकता या महत्त्व—मानव संसाधन लेखांकन के उद्देश्य—मानव संसाधन लेखांकन के लाभ—मानव संसाधन लेखांकन की विधियाँ अथवा उसके पहलू—ऐतिहासिक लागत दृष्टिकोण—गुण—सीमाएं—पुनर्स्थापन लागत दृष्टिकोण—हेकिमियान एवं जोंस की प्रतिस्पर्द्धात्मक बोली लगाने वाली विधि—अवसर लागत दृष्टिकोण—लेव एवं श्वार्ज मॉडल—फ्लेमहोल्ज मॉडल—जाईल्स एवं राबिन्सन की मानव सम्पत्ति गुणक विधि—हरमैन्सन का न क्रय की गई ख्याति एवं समायोजित अपहारित भावी मजदूरी मॉडल—जग्गी एवं लाऊ मॉडल—मोर्स का शुद्ध लाभ मॉडल—मानव संसाधन लेखांकन के विरुद्ध आपत्तियाँ—भारत में मानव संसाधन लेखांकन—प्रश्न]

Scanned by TapScanner

अध्याय

10. **व्यावसायिक वित्त प्रबन्ध की प्रकृति एवं क्षेत्र (Nature and Scope of Business Financial)** 10.1 – 10

[परिचय—व्यावसायिक वित्त का आशय—निगम वित्त की परिभाषा एवं उसका क्षेत्र—निगम वित्त का विकास/वित्तीय प्रबन्ध—निगम वित्त का महत्त्व—वित्त कार्य—वित्त कार्य सम्बन्धी दृष्टिकोण—वित्त कार्य के उद्देश्य—वित्त कार्य का क्षेत्र अथवा उसकी विषय-सूची—वित्तीय प्रबन्ध के उद्देश्य अथवा व्यावसायिक वित्त के उद्देश्य—धन अधिकतम करने का प्रभाव—धन अधिकतम करने की आलोचना—वित्तीय प्रबन्ध एवं लाभ अधिकतम करना—वित्तीय निर्णय—वित्तीय निर्णयों का अन्तर-सम्बन्ध—वित्तीय निर्णय को प्रभावित करने वाले घटक—बाह्य घटक—आन्तरिक घटक—वित्तीय प्रबन्ध प्रक्रिया—वित्तीय प्रबन्ध के कार्यात्मक क्षेत्र—वित्तीय प्रबन्धक के कार्य—वित्तीय कार्य का संगठन—प्रश्न]

11. **वित्तीय नियोजन (Financial Planning)** 11.1 – 11

[परिचय एवं अर्थ—वित्तीय योजना—वित्तीय योजना के उद्देश्य—सुदृढ़ वित्तीय योजना के लक्षण/सिद्धान्त—वित्तीय योजना तैयार करने में विचारणीय बातें—वित्तीय नियोजन के चरण—दीर्घ-कालीन एवं अल्पकालीन वित्तीय आवश्यकताओं का अनुमान लगाना—स्थायी पूँजी—स्थायी पूँजी का अर्थ एवं परिभाषा—स्थायी पूँजी का महत्व—स्थायी पूँजी आवश्यकताओं का निर्धारण—स्थायी सम्पत्ति आवश्यकताओं का अनुमान लगाना—स्थायी सम्पत्तियों की आवश्यकता के अनुमान को प्रभावित करने वाले घटक—अमूर्त्त सम्पत्ति आवश्यकताओं का अनुमान लगाना—स्थायी सम्पत्ति/पूँजी का प्रबन्ध—स्थायी पूँजी प्रबन्ध के सिद्धान्त—कार्यशील पूँजी—वित्तीय नियोजन की सीमाएँ—प्रश्न]

12. **वित्तीय नियोजन (पूँजीकरण) (Capitalisation)** 12.1 – 12

[पूँजीकरण का अर्थ—पूँजीकरण की व्यापक व्याख्या—पूँजीकरण की संकीर्ण व्याख्या—परिभाषा—पूँजीकरण की आधुनिक अवधारणा—पूँजीकरण की आवश्यकता—पूँजी एवं पूँजीकरण—पूँजीकरण के सिद्धान्त अथवा राशि/ आधार—उचित पूँजीकरण—अति-पूँजीकरण—अति-पूँजीकरण एवं पूँजी का अधिक्य—अति-पूँजीकरण के कारण—अति-पूँजीकरण के प्रभाव या दोष—अति-पूँजीकरण का उपचार—अल्प-पूँजीकरण— अल्प-पूँजीकरण के कारण—अल्प-पूँजीकरण के प्रभाव—अल्प-पूँजीकरण के उपचार—अति-पूँजीकरण एवं अल्प-पूँजीकरण की तुलना—अंशों के पुस्तकीय मूल्य एवं वास्तविक मूल्य में तुलना—जलकृत स्टॉक या पूँजी—जलकृत पूँजी के कारण—जलकृत स्टॉक बनाम अति-पूँजीकरण—अति-व्यापार एवं अल्प-व्यापार—अति-व्यापार के कारण—अति-व्यापार के चिन्ह—अति-व्यापार के परिणाम—अति-व्यापार के उपचार—अल्प-व्यापार—प्रश्न]

13. **पूँजी संरचना (Capital Structure)** 13.1 – 13

[परिचय—पूँजीकरण, पूँजी संरचना एवं वित्तीय संरचना—पूँजी संरचना का प्रारूप/स्वरूप—पूँजी संरचना का महत्त्व—समीक्षा—हानि पर उत्तोलक का प्रभाव—तटस्थता बिन्दु/ अर्जन का विस्तार—अनुकूलतम पूँजी संरचना—पूँजी संरचना के उपपत्ति सिद्धान्त—शुद्ध आय दृष्टिकोण—शुद्ध परिचालन आय दृष्टि-कोण—पारम्परिक दृष्टिकोण—मोदिग्लियानी एवं मिलर दृष्टिकोण—अन्तर-पणन प्रक्रिया कैसे कार्य करतो हैं ?—निवेशक अपनी धारिता के अन्तरण द्वारा निम्न प्रकार लाभ में होगा—पूँजी संरचना प्रबन्ध अथवा पूँजी संरचना का नियोजन— सुदृढ़ पूँजी मिश्रण के आवश्यक लक्षण—पूँजी संरचना को

Scanned by TapScanner

अध्याय		पृष्ठ

प्रभावित करने वाले तत्त्व अथवा पूँजी संरचना के निर्धारक—पूँजी मिलान या दन्तीकरण— पूँजीकरण अथवा पूँजी संरचना में परिवर्तन—विविध उदाहरण—प्रश्न— अभ्यासार्थ प्रश्न]

14. **वित्त के स्रोत (Sources of Finance)** 14.1 – 14.50

[परिचय—वित्त या कोष के साधन—प्रतिभूति वित्तयन—स्वामित्व सम्बन्धी प्रतिभूतियाँ—स्वामित्व सम्बन्धी प्रतिभूतियों या अँशों के प्रकार—समता अंश—पूर्वाधिकार अँश—आस्थगित अंश—सम-मूल्य विहीन स्टॉक/ अंश—सम-मूल्य विहीन स्टॉक/ अंश—भेदात्मक अधिकारों सहित अंश—संवेद (स्वीट) अंत—लेनदार सम्बन्धी प्रतिभूतियाँ—ऋणपत्र या बॉण्ड—ऋणपत्रों के प्रकार—ऋणपत्रों या बॉण्डों की विशेषताएँ—ऋणपत्रों एवं अंशों में अन्तर—अंशों एवं ऋणपत्रों के भेद—वित्त के स्रोत के रूप में ऋणपत्रों का महत्त्व—ऋणपत्रों के लाभ—ऋणपत्र वित्त के दोष—ऋणपत्र एवं भारत सरकार की नीति—आन्तरिक वित्तयन—प्रतिधारित आय अथवा लाभ का पुनर्निवेश—पुनर्निवेश की आवश्यकता—आय के पुनर्विनियोजन अथवा लाभ के पुनर्निवेश को प्रभावित करने वाले घटक—लाभ के पुनर्निवेश के गुण या लाभ—लाभ के पुनर्निवेश की सीमाएँ या खतरे—ह्रास कोष के एक स्रोत के रूप में—ऋण वित्तयन—अल्पकालीन ऋण एवं साख—वाणिज्यिक बैंक—साख-पत्र—बैंक वित्त के लिए अपेक्षित जमानत—सार्वजनिक या जन निक्षेप—सार्वजनिक निक्षेपों पर सरकारी विनियमन—सार्वजनिक निक्षेपों पर सरकारी विनियमन—सार्वजनिक या जन निक्षेप का मूल्यांकन—अन्तर कम्पनी निक्षेप—सावधि ऋण—विशिष्ट वित्तीय संस्थान अथवा विकास बैंक—भारतीय औद्योगिक वित्त निगम (IFCI), भारतीय औद्योगिक साख एवं विनियोग निगम (ICICI) ; राज्य वित्त निगम (SFCs); राज्य औद्योगिक विकास निगम (SIDCs); भारतीय औद्योगिक विकास बैंक (IDBI); – भारतीय औद्योगिक विनियोग बैंक लिमिटेड—भारतीय औद्योगिक पुनर्निर्माण बैंक—भारतीय यूनिट ट्रस्ट (UTI) ; भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (SIDBI) ; वाणिज्यिक बैंकों द्वारा सावधि वित्त-पोषण—वित्त के कतिपय अन्य नवीन साधन—साहसिक अथवा जोखिम पूँजी—बीज पूँजी—सेतु वित्त—लीज़ (पट्टा) वित्त-पोषण— प्रश्न]

15. **पूँजी निर्गमन का नियन्त्रण : भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) (Control of Capital Issues : Securities and Exchange Board of India – SEBI)** 15.1 – 15.33

[परिचय—भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड अधिनियम,1992—सेबी अधिनियम के उद्देश्य—बोर्ड का प्रबन्ध—सेबी के अधिकार एवं कार्य—अर्थ-दण्ड एवं अभिनिर्णयन—प्रतिभूतियों के निर्गमन के लिए सेबी के दिशा-निर्देश—ऋण विलेखों के निर्गमन के लिए दिशा-निर्देश—ऑन-लाइन प्रणाली के माध्यम से आई.पी.ओ. सम्बन्धी दिशा-निर्देश—बोनस अंशों के निर्गमन हेतु दिशा-निर्देश—सेबी द्वारा किये गये अन्य उपाय—सेबी का मूल्यांकन—प्राथमिक बाजार—द्वितीयक बाजार—निवेशक संरक्षण—सेबी की सीमाएँ—प्रश्न]

16. **कार्यशील पूँजी प्रबन्ध एवं वित्त–I (Working Capital Management and Finance – I)** 4 16.1 – 16.78

[कार्यशील पूँजी का अर्थ—कार्यशील पूँजी की अवधारणा—कार्यशील पूँजी का वर्गीकरण अथवा प्रकार—पर्याप्त कार्यशील पूँजी का महत्त्व या लाभ—अतिरिक्त या अपर्याप्त कार्यशील पूँजी—

Scanned by TapScanner

निष्प्रयोज्य या अतिरेक कार्यशील पूँजी के दोष—अपर्याप्त कार्यशील पूँजी के दोष या खतरे—कार्यशील पूँजी की आवश्यकता या उद्देश्य—कार्यशील पूँजी की आवश्यकता के निर्धारक तत्त्व—कार्यशील पूँजी का प्रबन्ध—कार्यशील पूँजी प्रबन्ध के सिद्धान्त—कार्यशील पूँजी नीतियाँ एवं लाभदायकता—कार्यशील पूँजी की आवश्यकताओं का पूर्वानुमान—कार्य की अतिरिक्त पाली के लिए कार्यशील पूँजी की आवश्यकता—कार्यशील पूँजी का वित्त-प्रबन्धन—कार्यशील पूँजी के स्रोत—स्थायी स्थिर या दीर्घ-कालीन कार्यशील पूँजी का वित्त-पोषण—अस्थायी, परिवर्तनशील या अल्प-कालीन कार्यशील पूँजी का वित्त-पोषण—साख-पत्र—बैंक वित्त के लिए अपेक्षित जमानत—कार्यशील पूँजी के वित्त-पोषण के मिश्रण का निर्धारण—सुरक्षा एवं रुढ़िवादी दृष्टिकोणों में विनिमय करना—बैंकों द्वारा कार्यशील पूँजी के वित्त-पोषण की नयी प्रवृत्तियाँ— दहेजिया समिति प्रतिवेदन—टण्डन समिति प्रतिवेदन—चौरे समिति प्रतिवेदन—मराठे समिति प्रतिवेदन—चक्रवर्ती समिति प्रतिवेदन—कन्नन समिति प्रतिवेदन—कार्यशील पूँजी विश्लेषण अथवा कार्यशील पूँजी का माप—प्रश्न—अभ्यासार्थ प्रश्न।

17. कार्यशील पूँजी प्रबन्ध—II : रोकड़, प्राप्य एवं स्कन्ध प्रबन्ध (Working Capital Management—II : Cash, Receivable and Inventory Management) 17.1—17.9

[*रोकड़ का प्रबन्ध* : परिचय—रोकड़ की प्रकृति — रोकड़ धारण करने का उद्देश्य —रोकड़ प्रबन्ध —रोकड़ प्रवाह का प्रबन्धन—रोकड़ अन्त-प्रवाहों को गतिवर्धन करने की रीतियाँ—अनुकूलतम रोकड़ शेष का निर्धारण—रोकड़ बजट—अतिरिक्त सूचना—रोकड़ प्रबन्ध मॉडल—विलियम जे. बामोल का मॉडल—मिलर एवं ओर मॉडल—अतिरेक कोष का निवेश—विपण्य प्रति-भूतियों का प्रबन्ध—*प्राप्य प्रबन्ध* : परिचय—प्राप्यों का आशय—प्राप्यों के अनुरक्षण की लागत—प्राप्यों के आकार को प्रभावित करने वाले तत्त्व—प्राप्यों का पूर्वानुमान लगाना—प्राप्य प्रबन्ध का आशय एवं उद्देश्य—प्राप्य प्रबन्ध के आयाम—साख नीति का निरूपण—साख नीति का क्रियान्वयन—संकलन नीति का निरूपण एवं क्रियान्वयन—खण्डीकरण एवं प्राप्य प्रबन्ध—खण्ड के कार्य—खण्डीकरण के लाभ—खण्डीकरण के प्रकार—खण्डीकरण का वित्तीय मूल्यांकन—उदाहरण—*स्कन्ध प्रबन्ध*: स्कन्ध का आशय एवं प्रकृति—स्कन्ध रखने के उद्देश्य या लाभ—स्कन्ध रखने की जोखिम एवं लागत—स्कन्ध प्रबन्ध का आशय—स्कन्ध प्रबन्ध के उद्देश्य—स्कन्ध प्रबन्ध के औजार और तकनीकियाँ—निरन्तर स्कन्ध प्रणाली की कार्यविधि—निरन्तर स्कन्ध प्रणाली के लाभ—JIT के उद्देश्य—JIT की विशेषताएँ—JIT स्कन्ध नियन्त्रण प्रणाली के लाभ—उदाहरण—स्कन्ध का मूल्यांकन—लेखा मानक 2 (संशोधित)—स्कन्ध का मूल्यांकन—क्षेत्र—परिभाषाएं—स्कन्ध का माप—स्कन्ध की लागत— क्रय लागतें— परिवर्तन लागतें— अन्य लागतें —लागत सूत्र—शुद्ध वसूली मूल्य—प्रकटीकरण—प्रश्न—अभ्यासार्थ प्रश्न।

18. लाभांश नीति, अधिलाभांश अंश एवं अधिकार अंश (Dividend Policy, Bonus Issue and Rights Issue) 18.1—18.4

[लाभांश नीति : परिचय—लाभांश निर्णय एवं फर्मों का मूल्यांकन—लाभांश की अप्रासंगिकता अवधारणा अथवा असंगति का सिद्धान्त—अवशिष्ट दृष्टिकोण—मोदिग्लियानी एवं मिलर दृष्टिकोण—लाभांश की प्रासंगिकता अवधारणा अथवा संगति का सिद्धान्त—वाल्टर का दृष्टिकोण—गोर्डन का दृष्टिकोण—लाभांश नीति के निर्धारक तत्त्व—लाभांश नीति के प्रकार—नियमित लाभांश नीति—सुस्थिर लाभांश नीति—लाभांश के प्रकार—*अधिलाभांश अंश* : परिचय—अधिलाभांश अंशों के प्रभाव एवं उद्देश्य—

Scanned by TapScanner

अध्याय	पृष्ठ

अभिलाभांश अंशों के निर्गमन के लाभ—अभिलाभांश अंशों के निर्गमन के दोष या हानियाँ— अभिलाभांश अंशों के निर्गमन हेतु नए दिशा-निर्देश (13.4.1994) – अभिलाभांश निर्गमन के स्रोत या साधन—अभिलाभांश अंशों के निर्गमन के लिए लेखांकन व्यवहार—अभिलाभांश अंश निर्गमन (स्कन्ध लाभांश) *बनाम* स्कन्ध खण्ड (स्टॉक स्प्लिट)—प्रश्न—अभ्यासार्थ प्रश्न]

19. पूँजी की लागत (Cost of Capital) **19.1 – 19.46**

[अर्थ एवं अवधारणा—परिभाषा—पूँजी की लागत का महत्त्व—लागत का वर्गीकरण—पूँजी की लागत का निर्धारण—पूँजी की लागत के निर्धारण की समस्याएँ—पूँजी की लागत की संगणना—वित्त के विशिष्ट स्रोत की लागत की गणना—ऋण की लागत—पूर्वाधिकार अंश पूँजी की लागत—समता अंश पूँजी की लागत—प्रतिधारित आय की लागत—पूँजी की भारांकित औसत लागत—पूँजी की सीमान्त लागत—विविध उदाहरण— प्रश्न—अभ्यासार्थ प्रश्न]

20. पूँजी बजटन (Capital Budgeting) **20.1 – 20.91**

[पूँजी बजटन का अर्थ एवं प्रकृति—पूँजी बजटन की आवश्यकता एवं महत्त्व— पूँजी बजटन प्रक्रिया—पूँजी बजटन निर्णयों के प्रकार—पूँजी बजटन की विधियाँ अथवा विनियोग प्रस्तावों का मूल्यांकन—*परम्परागत विधियाँ—पुनर्भुगतान अवधि विधि—पुनर्भुगतान अवधि विधियों के परम्परागत दृष्टिकोण में सुधार—प्रत्याय-दर विधि—समय-समायोजित अथवा अपहारित रोकड़ प्रवाह विधियाँ*—शुद्ध वर्तमान मूल्य विधि—आन्तरिक प्रत्याय दर विधि— लाभदायकता निर्देशांक विधि—शुद्ध वर्तमान मूल्य (एन. पी. वी.) एवं आन्तरिक प्रत्याय दर (आई. आर. आर) में तुलना—शुद्ध वर्तमान मूल्य एवं लाभदायकता निर्देशांक में तुलना—सीमान्त मूल्य विधि—विविध उदाहरण—पूँजी व्यय निर्णय को प्रभावित करने वाले घटक—पूँजी बजटन में जोखिम एवं अनिश्चितता—निर्णय वृक्ष विश्लेषण—पूँजी राशनिंग—पूँजी बजटन की सीमाएँ—पूँजी व्यय नियन्त्रण—पूँजी व्यय नियन्त्रण के उद्देश्य—पूँजी व्यय नियन्त्रण में निहित कदम—प्रश्न—अभ्यासार्थ प्रश्न]

21. उत्तरदायित्व लेखांकन (Responsibility Accounting) **21.1 – 21.24**

[परिचय–अर्थ एवं परिभाषा–उत्तरदायित्व लेखांकन के मूलभूत पहलू अथवा आवश्यक लक्षण–उत्तरदायित्व लेखांकन नें निहित कदम–उत्तरदायित्व केन्द्र–उत्तरदायित्व केन्द्र के प्रकार–हस्तान्तरण मूल्य–हस्तान्तरण मूल्य की विधियाँ/प्रकार—हस्तान्तरण मूल्यन विधि का चयन–उत्तरदायित्व लेखांकन के लाभ–उदाहरण—प्रश्न–अभ्यासार्थ प्रश्न]

22. प्रबन्ध सूचना प्रणाली (एम॰आई॰एस॰) एवं प्रतिवेदन (Management Information System [MIS] and Reporting) **22.1 – 22.30**

[परिचय–प्रबन्ध सूचना प्रणाली के तत्त्व–प्रबन्ध सूचना प्रणाली के प्रकार–प्रबन्ध सूचना प्रणाली की संस्थापना–प्रतिवेदन (रिपोर्ट) का आशय एवं परिभाषा–प्रतिवेदन का उद्देश्य या प्रयोजन–प्रबन्धकीय प्रतिवेदन–प्रतिवेदित करने की विधियाँ–एक अच्छे प्रतिवेदन के आवश्यक लक्षण–प्रतिवेदन के प्रकार–प्रबन्ध के स्तर एवं प्रतिवेदन देना–प्रतिवेदन प्रणाली–एक अच्छी प्रतिवेदन प्रणाली के सामान्य सिद्धान्त–प्रतिवेदन लिखने की प्रक्रिया–उदाहरण- प्रश्न–अभ्यासार्थ प्रश्न]

Scanned by TapScanner

23. **लागत अवधारणाएँ : विश्लेषण एवं व्यवहार** **(Cost Concepts : Analysis and Behaviour)** 23.1 – 2

[अर्थ एवं परिभाषा—लागतों का विश्लेषण एवं वर्गीकरण—लागत-निर्धारण की विधियाँ—लागत लेखांकन की तकनीकियाँ—लागत लेखांकन प्रणाली की स्थापना—लागत लेखांकन प्रणाली की स्थापना की कठिनाइयाँ—लागत पत्र—लागत पत्र का नमूना—उदाहरण—लागत व्यवहार—स्थिर लागत—परिवर्तनशील लागत—अर्द्ध- परिवर्तनशील (मिश्रित) लागत—अर्द्ध-परिवर्तनशील लागतों का विसंयोजन—लागतों का स्थिर एवं परिवर्तनशील लागतों में वर्गीकरण करने के लाभ—प्रश्न—अभ्यासार्थ प्रश्न]

24. **सीमान्त लागत-विधि एवं सम-विच्छेद विश्लेषण** **(Marginal Costing and Break-Even Analysis)** 24.1 – 24

[परिचय—सीमान्त लागत तथा सीमान्त लागत-विधि की परिभाषाएँ—सीमान्त लागत-विधि—सीमान्त लागत-विधि की आधारभूत विशेषताएँ—सीमान्त लागत-विधि की मान्यताएँ—सीमान्त लागत-विधि बनाम प्रत्यक्ष/विभेदात्मक/परिवर्तनशील लागत-विधि—सीमान्त लागत-विधि एवं संविलयन लागत-विधि—सीमान्त लागत-विधि एवं संविलयन लागत-विधि में आय निर्धारण—अंशदान—सीमान्त लागत समीकरण—लाभ/मात्रा अनुपात—लागत-लाभ-मात्रा विश्लेषण—सम-विच्छेद विश्लेषण— सम-विच्छेद विश्लेषण की मान्यताएँ—सम-विच्छेद बिन्दु—सम-विच्छेद बिन्दु की संगणना की बीज गणितीय सूत्र रीति—रोकड़ या नकद सम-विच्छेद बिन्दु—मिश्रित या संयुक्त सम-विच्छेद बिन्दु—सम-विच्छेद विश्लेषण की ग्राफीय रीति अथवा सम-विच्छेद चार्ट—सम-विच्छेद चार्ट की कल्पनाएँ—सम-विच्छेद चार्ट के लाभ या उपयोग—सम-विच्छेद चार्ट की सीमाएँ—सुरक्षा सीमान्त—संयोग कोण—लाभ-मात्रा ग्राफ—वक्ररेखीय सम-विच्छेद विश्लेषण (दो सम-विच्छेद बिन्दु)—सीमान्त लागत विधि का प्रबन्धकीय उपयोग—मूल्य-निर्धारण निर्णयन—लाभ नियोजन एवं लाभ का वांछित स्तर बनाये रखना—'बनाओ या खरीदो' निर्णय—आधार या परिसीमन घटक की समस्या—सर्वोपयुक्त उत्पाद या विक्रय मिश्रण का चुनाव—विक्रय मूल्य में परिवर्तनों का प्रभाव—उत्पादन की वैकल्पिक विधियाँ—क्रिया के अनुकूलतम स्तर का निर्धारण—निष्पादन का मूल्यांकन—पूँजी विनियोजन निर्णय—सीमान्त लागत-विधि के लाभ— सीमान्त लागत-विधि की सीमाएँ या दोष—विविध उदाहरण—प्रश्न—अभ्यासार्थ प्रश्न]

25. **सीमान्त लागत-विधि एवं विभेदात्मक लागत विश्लेषण** **(Marginal Costing and Differential Cost Analysis)** 25.1 – 25.

[परिचय—विभेदात्मक लागत का निर्धारण—विभेदात्मक लागतांकन के आवश्यक लक्षण—विभेदात्मक लागत विश्लेषण एवं सीमान्त लागत-विधि में तुलना—विभेदात्मक लागत विश्लेषण का प्रबन्धकीय उपयोग—उत्पादन और मूल्य के सबसे अधिक लाभदायक स्तर का निर्धारण ; उत्पादन का सर्वाधिक लाभप्रद स्तर एवं निम्न विक्रय मूल्य पर प्रस्ताव स्वीकार करना ; प्रक्रिया की गहराई तथा उत्पाद/बिक्री मिश्रण में परिवर्तन ; खरीदो या बनाओ निर्णय से सम्बन्धित उदाहरण—प्रश्न—अभ्यासार्थ प्रश्न]

26. **प्रमाप लागत-विधि एवं विचरण विश्लेषण** **(Standard Costing and Variance Analysis)** 26.1 – 26.

[परिचय (लागत योजना)—ऐतिहासिक लागत-विधि—प्रमाप लागत एवं प्रमाप लागत-विधि का अर्थ—प्रमाप लागत-विधि में सन्निहित चरण—प्रमाप लागत-विधि एवं बजटरी नियन्त्रण—प्रमाप लागत एवं

Scanned by TapScanner

अध्याय		पृष्ठ
	अनुमानित लागत—प्रमाप लागत-विधि के लाभ—प्रमाप लागत विधि की सीमाएँ—प्रमाप लागत लेखांकन प्रणाली की स्थापना की प्रारम्भिक शर्तें—प्रमाप लागत केन्द्र का निर्धारण—खातों का वर्गीकरण—प्रमापों के प्रकार—प्रमाप लागत-विधि हेतु संगठन—प्रमाप निश्चित करना—**विचरण विश्लेषण**—प्रत्यक्ष सामग्री विचरण—प्रत्यक्ष श्रम विचरण—उपरिव्यय विचरण—परिवर्तनशील उपरिव्यय विचरण—स्थिर उपरिव्यय विचरण—संयुक्त उपरिव्यय विचरण—विक्रय विचरण—संशोधन विचरण—विचरणों का लेखांकन व्यवहार—विचरण के कारण—विचरणों का अनुसन्धान—विविध उदाहरण—प्रश्न—अभ्यासार्थ प्रश्न]	
27.	**बजटन एवं बजटरी नियन्त्रण** (Budgeting and Budgetary Control)	27.1 – 27.76
	[परिचय—बजट का अर्थ—बजटरी नियन्त्रण का आशय एवं स्वभाव—बजट, बजटन एवं बजटरी नियन्त्रण—बजटरी नियन्त्रण के उद्देश्य—अच्छे बजटन की विशेषताएँ—एक सकल बजटरी नियन्त्रण की आवश्यक शर्तें—बजटरी नियन्त्रण के आवश्यक तत्त्व—बजट बनाम पूर्वानुमान—बजटरी नियन्त्रण के लाभ—बजटरी नियन्त्रण की सीमाएँ—बजटों का वर्गीकरण एवं प्रकार—समयानुसार वर्गीकरण—कार्यानुसार वर्गीकरण—लोचता के आधार पर वर्गीकरण—स्थायी बजट—लोचदार बजट—स्थायी एवं लोचदार बजट में अन्तर—विक्रय बजट—उत्पादन बजट—उत्पादन लागत बजट—सामग्री बजट—प्रत्यक्ष श्रम बजट—निर्माण उपरिव्यय लागत बजट—विक्रय एवं वितरण उपरिव्यय बजट—रोकड़ बजट—पूँजी व्यय बजट—मास्टर बजट—निष्पादन बजटन—निष्पादन बजटन बनाम कार्यक्रम बजटन—नियन्त्रण अनुपात—शून्य-आधार बजटन—परम्परागत बजटन बनाम शून्य-आधार बजटन—शून्य-आधार बजटन के कदम अथवा उसकी प्रक्रिया—शून्य आधार बजटन के लाभ—शून्य-आधार बजटन की सीमाएँ—क्रियाकलाप आधारित बजटन (ए बी बी)—घूर्णन/निरन्तर बजट—उदाहरण—प्रश्न—अभ्यासार्थ प्रश्न]	
28.	**व्यावसायिक पूर्वानुमान** (Business Forecasting)	28.1 – 28.13
	[परिचय—तात्पर्य एवं परिभाषा—व्यावसायिक पूर्वानुमान के उद्देश्य, प्रयोग एवं महत्त्व—व्यावसायिक पूर्वानुमान की परिसीमाएँ—पूर्वानुमान के सोपान/तत्त्व— व्यावसायिक पूर्वानुमान में प्रयुक्त समंकों के स्रोत—वित्तीय पूर्वानुमान के प्रकार—व्यावसायिक पूर्वानुमान की रीतियाँ—व्यावसायिक निर्देशांक या वायु-मापक— व्यावसायिक पूर्वानुमान के सिद्धान्त—प्रश्न]	

Scanned by TapScanner